.

भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3261

उत्तर देने की तारीख: 20.03.2025

ट्राइफेड और अन्य संस्थाओं के बीच रणनीतिक साझेदारी

†3261. श्री राधेश्याम राठियाः

श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:

श्री दामोदर अग्रवालः

श्रीमती हिमाद्री सिंह:

डॉ. मन्ना लाल रावत:

श्रीमती स्मिता उदय वाघ:

श्री नव चरण माझी:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड) ने जनजातीय उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए किन संस्थानों के साथ सहयोग किया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) ट्राइफेड और रूफटॉप के बीच साझेदारी के तहत जनजातीय कारीगरों के कौशल विकास को मापने के लिए क्या विशिष्ट संकेतक निर्धारित किए गए हैं;

(ग) क्या इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) के प्रभावी कार्यान्वयन और परिणामों का आकलन सुनिश्चित करने के लिए नियमित लेखापरीक्षा आयोजित करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि इस पहल का लाभ विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) सहित हाशिए पर रहने वाले जनजातीय कारीगरों तक पहुंचे;

(ङ) क्या ट्राइफेड ने यह निगरानी करने के लिए कोई उपाय किए हैं कि जनजातीय कारीगरों को जलगांव, महाराष्ट्र सहित देश में कौशल विकास, रोजगार सृजन और बाजार विस्तार के संदर्भ में इस पहल से ठोस आर्थिक लाभ मिल रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) इस सहयोग से कितने जनजातीय कारीगरों को लाभ मिलने की संभावना है तथा उनकी आय और आजीविका के अवसरों पर इसका अनुमानित प्रभाव क्या होगा; और

(छ) क्या सरकार का विचार जनजातीय उत्पादों की बाजार पहुंच को और बढ़ाने के लिए अन्य संगठनों के साथ इसी प्रकार की साझेदारी बढ़ाने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क) ट्राइफेड ने जनजातीय उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए टी ट्रंक, राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस), महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान (एमगिरि), मीशो, इंडियन फेडरेशन ऑफ कलिनरी एसोसिएशन (आईएफसीए), तोराजामेलो इंडोनेशिया, आंध्र प्रदेश गिरिजन कोऑपरेटिव कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीजीसीसी), हिंदुस्तान कम्प्यूटर्स लिमिटेड (एचसीएल) फाउंडेशन, रिलायंस रिटेल, हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन और प्रसंस्करण निगम लिमिटेड (एचपीएमसी), राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट), रूफटॉप आदि जैसे संगठनों के साथ सहयोग किया है।

(ख) से (च) जनजातीय कारीगरों को सहायता देने के लिए रूफटॉप सहित अन्य समझौता ज्ञापनों पर फरवरी, 2025 में हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनके मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

i. उत्पाद डिज़ाइन में सुधार करना.
ii. प्रौद्योगिकी का समावेश।
iii. बाजार पहुंच में वृद्धि।

इन समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य जलगांव, महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न भागों में जनजातीय उत्पादों को सुदृढ़ करना और उनका प्रसार करना तथा उनकी संस्कृति को बढ़ावा देना है। इन सहयोगों का उद्देश्य अपने ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक बाजार पहुंच प्रदान करना और पीवीटीजी सहित सभी वर्गों को स्थायी आजीविका में सहायता प्रदान करना है। ये पहलें उद्यमिता, कौशल विकास और जनजातीय शिल्प कौशल की वैश्विक पहचान को बढ़ावा देंगी।

(छ) विशिष्ट प्रस्ताव प्राप्त होने पर, ट्राइफेड जनजातीय उत्पादों की बाजार पहुंच को और बढ़ाने के लिए अन्य संगठनों के साथ इसी प्रकार की साझेदारी को बढ़ा सकता है।

*****